



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 21, 1978 (आश्विन 29, 1900)
No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 21, 1978 (ASVINA 29, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate Compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)
787	2347
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
1369	2813
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश
—	289
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई प्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
981	5893
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस
—	741
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं
—	—
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
—	1679
भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	168

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	787	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	2347
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1369	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	2813
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence		PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	289
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	981	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	5893
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	741
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1679
		PART IV—Advertisements and Notices by Private individuals and Private Bodies	168

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

नियम

सं० 78/ई(जी० आर०)/I/1/7—यांत्रिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के रूप में नियुक्ति के लिये उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1979 में ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिये प्रकाशित किये जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किये जाने वाले नोटिस में किया जायेगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जायेगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, (द्वारा यथा संशोधित), संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान, (अन्वयमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, वमन और दियू) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित ढंग से ली जायेगी। परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

4. उम्मीदवार के लिये आवश्यक होगा कि वह या तो :—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिये, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा निवृत्ति शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य पूर्वी अफ्रीका देशों से या जॉर्जिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ), और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्राता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिये।

ऐसे उम्मीदवार को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पत्राता प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसकी नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उसके सम्बन्ध में पत्राता प्रमाण-पत्र जारी कर दिये जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5.(क) उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1979 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हुई हो अर्थात् उसका जन्म जनवरी 2, 1959 से पहले और 1 जनवरी, 1963 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में ढील दी जा सकेगी :—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक पाठ वर्ष।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत से प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सम्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष ।
- (vi) यदि उम्मीदवार वर्मा से सम्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (vii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वर्मा से सम्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (viii) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किये गये रक्षा कामियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कामियों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (x) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये सीमा-सुरक्षा दल के रक्षा कामियों के लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (xi) वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा दल के उन रक्षा कामियों के लिये, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (xii) यदि कोई उम्मीदवार शान्तिपूर्ण रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास विद्यमान में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण पत्र है, और जो विद्यमान में जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ।
- (ग) ऐसा उम्मीदवार जो निर्णायक तारीख अर्थात् पहली जनवरी, 1979 को निर्धारित उपरी आयु-सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुसंधान अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभिकथित राजनैतिक कार्य-कलापों या तत्कालीन प्रसिद्धित संगठनों से संबंधित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत अने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु सीमा के अन्तर होते हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि वह जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान परीक्षा में कम से कम एक बार

भी नहीं बैठ पाया हो (अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो), जिसके लिये वह हर प्रकार से पात्र था ।

नोट:—इस रियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्र नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जायेगा ।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़ कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

6 उम्मीदवार ने—

- (क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो ।
- (ख) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (शाम के कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो, जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो ।

जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से एक विषय के साथ पास की हो वे आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

- (ग) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पूर्व इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या
- (घ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या माध्यमताप्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष बाद ली गई हो, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या
- (ङ) किसी विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो ।

जिन उम्मीदवारों ने पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, वे भी आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

- (च) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम-से-कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो ।

नोट (i): जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा इंटरमीडिए या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी न दी गई हो, उन्हें भी शैक्षणिक दृष्टि से पात्र समझा जायेगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तांकों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

नोट (ii): कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उसे नहीं मिली है, इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र दे सकता है। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जायेगा, लेकिन उसके प्रवेश को अनन्तिम समझा जायेगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण प्रकाशित नहीं कर पाता और किसी भी हालत में 26 अप्रैल, 1979 तक पेश नहीं करता, तो उस के प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

नोट (iii): आपवादिक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शैक्षणिक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हताएं हों, जिनके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग की सूचना के पैरा 5 में विनिर्दिष्ट फीस दें।

8. ऐसे सभी उम्मीदवारों को जो सरकारी सेवा में स्थायी या अस्थायी आधार पर या नैमित्तिक अथवा दिहायी वाले कर्मचारियों को छोड़कर अन्य कार्य-प्रभारित कर्मचारियों के रूप में, आयोग की सूचना के अनुबन्ध के पैरा 2 में दी गई हितवायतों के अनुसार अपने विभागाध्यक्ष से एक "कोई आपत्ति नहीं प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस संबंध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जायेगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है:—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र भाष्य की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या

(xi) उपर्युक्त बाध्यताओं में निर्धारित सर्वां या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवश्रेित करने, जैसा भी मामला हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आपराधिक अभियोग चलाये जाने के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्रवाई भी की जा सकती है:—

(क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए, जिसका वह उम्मीदवार है, अनर्हक घोषित किया जा सकता है; या

(ख) उसे स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्न-लिखित से विवर्जित किया जा सकता है:—

- (1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या चयन से;
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्रवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, जितने आयोग स्वविवेक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग व्यक्तिगत परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलायेगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाना सम्भव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल अंकों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की एक सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों को, जिन्हें आयोग परीक्षा में अर्हक समझे, उतनी आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की जायेगी जितनी रिक्तियों को परीक्षा परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया हो।

परन्तु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तियां सामान्य स्तर के आधार पर भरने से रह जाएं, उन्हें भरने के लिए आयोग, सामान्य स्तर को शिथिल करके, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की सिफारिश कर सकता है भले ही परीक्षा में योग्यताक्रम के अनुसार उनका स्थान कहीं भी हो बशर्ते वे सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल किस रूप में और किस ढंग से भेजा जाये, इस बात का निर्णय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के संबंध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में सफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

16. उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि वह मानसिक और शारीरिक दृष्टि से पूर्णतया स्वस्थ हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके कारण सेवा के अधिकारी के नाते उसके कर्तव्य पालन में बाधा पड़ने की संभावना हो। जो उम्मीदवार ऐसी डाक्टर की परीक्षा के बाद जैसी कि सरकार या नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी जैसी स्थिति हो, विनिर्दिष्ट करे इन आवश्यक बातों को पूरा नहीं करता, उसे नियुक्त नहीं किया जायेगा। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टर की परीक्षा ली जायेगी जिनकी नियुक्ति के बारे में विचार होने की संभावना है। डाक्टर की

परीक्षा के समय उम्मीदवारों को संबंधित चिकित्सा मंडल को 16 रुपये फीस देनी होगी।

नोट:— उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो, इसके लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा ले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरी परीक्षा होगी और उसमें उनसे किस स्तर की प्रपेक्षा की जायेगी, इसका ब्यौरा इन नियमों के परिशिष्ट II में दिया गया है। अपाहिज भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों और 1971 के हिन्दू पाक युद्ध के दौरान अपाहिज हो जाने के फलस्वरूप मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के संबंध में, प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, इन स्तरों में छूट दी जायेगी।

17. कोई भी व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो, जिसकी एक पत्नी/जिसका एक पति जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने एक पत्नी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो,

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि केअन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमेय है, और ऐसा करने के अन्य कारण हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किए गए विशेष श्रेणी अभ्यर्थियों के लिए अभ्यर्थियों की शर्तें परिशिष्ट III में दी गई हैं। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट IV में दिये गए हैं।

पी० एन० मोहिले, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट I

(देखिए नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी:—

भाग I—नीचे दर्शाए गए विषयों में 700 अंकों की लिखित परीक्षा।
भाग II—व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (देखिए नियम 12)।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

क्रम सं०	विषय	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1.	अंग्रेजी	2 घंटे	100
2.	सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3.	भौतिकी	2 घंटे	100
4.	रसायन विज्ञान	2 घंटे	100
5.	गणित I (बीज गणित प्रारंभिक विस्तारकलन, त्रिकोणमिति और विवर्धनमात्मक ज्यामिति)	2 घंटे	100
6.	गणित II (कलन, अवकलन तथा समाकल और यांत्रिकी-स्थैतिकी तथा गतिकी)	2 घंटे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	1 घंटा	100
	योग		700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल "बस्तुपूरक" प्रश्न होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए परिशिष्ट V पर उम्मीदवार "सूचना पुस्तिका" देखें।

4. प्रश्न-पत्रों में जहां आवश्यक हो केवल माप व तौल की मीट्रिक प्रणाली से संबंध प्रश्न दिए जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इंटरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. आयोजक परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए ग्रहण अंक निर्धारित कर सकता है।

अनुसूची

अंग्रेजी—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

सामान्य ज्ञान

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार की अपने चारों ओर के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्नों के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उसका परिवेश

जीवन का विकास, पौधे और पशु, वनागमन और परिवेश आनु-वंशिकी प्रकोष्ठ, क्रोमोसोम, उत्पत्ति।

मानव शरीर की जानकारी—पोषाहार, संतुलित भोजन, प्रतिस्थायी खाद्य। महामारियों और सामान्य रोगों की रोकथाम सहित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। वातावरणीय प्रदूषण और उसकी रोकथाम खाद्य अपशिष्टों का निमित्त उत्पादों को सही प्रकार से स्टोर करना तथा परिरक्षण। जनसंख्या विस्फोट, जनसंख्या नियंत्रण खाद्य और कच्चे सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संरक्षण, कृत्रिम गर्भाधान, खाद और उर्वरक, फसल रक्षण उपाय, अधिकतम किस्में और हरित क्रांति, भारत के मुख्य अनाज और नकदी फसल।

सौर परिवार और पृथ्वी। ऋतुएं जलवायु, मौसम। भूमि—इसकी रचना और अपरदन। वन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट (चक्रवात, सूडान, बाढ़, भूकम्प, ज्वालामुखी उद्गार) पर्वत और नदियां और भारत में सिंचाई के लिए उनका योगदान। प्राकृतिक साधनों का वितरण और भारत में उपयोग। तेल सहित भूगत खनिजों की खोज। भारत के वनस्पति जात और प्राणिजात के विशेष संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधनों विनियम।

भारत का इतिहास, राजनीति और समाज

वैदिक, महावीर, बुद्ध, मौर्य, शुंग, ग्राम्भ, कुशान, गुप्त काल (मौर्य-कालीन स्तम्भ, स्तूप कंदराएं, सांची मधुरा, और गंधर्व विद्यालय, मंदिर वास्तुकला, अजंता और एलोरा) इस्लाम के आने के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतवाद से पुंजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की शुरुआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतन्त्रता संग्राम।

भारत का संविधान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं—लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता के अवसर और सरकार की संसदीय प्रणाली प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएं—लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद और अहिंसा के गांधीवादी विचार। भारतीय राजनीतिक दल, प्रभावशाली गुट, लोकमत और प्रेस, चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गुट निरपेक्षता—शस्त्र निर्माण होड़, शक्ति संतुलन। विश्व संगठन—राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और

सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएं (खेलकूब और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएं—जाति व्यवस्था में हाल में हुए परिवर्तन और दृष्टिकोण। अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएं—विवाह, परिवार, और धर्म संस्कृति संक्रमण।

श्रम विभाजन, सहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता, सामाजिक, नियंत्रण, पुरस्कार और सजा, कला, कानून, रीतिरिवाज, गलत प्रचार, लोकमत सामाजिक नियंत्रण की एजेंसियां—परिवार, धर्म, राज्य, शैक्षिक संस्थाएं, सामाजिक परिवर्तन के कारण प्राथमिक, प्रौद्योगिकीय, जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक, क्रांति की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विघटन।

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में भ्रष्टाचार, युवक भ्रष्टाचार, भीख मांगना, शोषण, अपराधवृत्ति और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय सामुदायिक विकास का कल्याण और श्रम कल्याण; अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

धन कराधान, मूल्य जनसांख्यिकीय, दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, प्राथमिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में प्राथमिक और गैर-प्राथमिक कारण; संतुलित बनाम असंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास—स्फीति और साधन जुटाने से संबद्ध मूल्य स्थिरीकरण समस्याएं; भारत की पंच वर्षीय योजनाएं।

भौतिकी

वनियर, स्कूजेज, स्फोरोमीटर और आण्टीकल सीवर का प्रयोग करते हुए लम्बाई की माप।

समय और द्रव्यमान की माप।

सरल रेखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण के बीच संबंध। न्यूटन के गति के नियम: संवेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और शक्ति।

वर्षण गुणांक

बल क्रिया के अन्तर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आघूर्ण: ध्रुवगत। न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धान्त। पलायन वेग। गुरुत्व के कारण त्वरण।

द्रव्यमान तथा भार। गुरुत्वकेन्द्र। एकसमान अक्षीय गति। अभिकेन्द्र बल। सरल आवर्त गति। सरल लोलक।

द्रव में दबाव और इसकी विभिन्न गहराई। पास्कल का नियम। आर्कमिडीज का सिद्धान्त। तैरने वाले पिंड। परिवेशी दबाव और इसकी माप।

तापमान और इसकी माप। तापीय प्रसार। गैस नियम और परम ताप। विशिष्ट ऊष्मा। गुप्त ऊष्मा और उनकी माप। गैसों की विशिष्ट ऊष्मा। ऊष्मा का यांत्रिक समकक्ष। आंतरिक ऊर्जा और ऊष्मागतिकी का पहला नियम। समतापी और द्रव्योष्म परिवर्तन।

ऊष्मा संचरण: तापीय चालकता।

तरंग-गति। अनुदैर्घ्य और अनुप्रस्थ तरंगें। प्रगामी और अप्रगामी तरंगें। गैस में ध्वनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता। अनुनाद परिघटना (वायु स्तंभ और रज्जु)।

प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। वक्र दर्पणों और लेंसों द्वारा बिम्ब रचना। सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (दृष्टि दोष)।

प्रिज्म:—विचलन और प्रकीर्णन। न्यूनतम विचलन। वृष्य स्पेक्ट्रम।

छड़ चुम्बक का क्षेत्र। चुम्बकीय आघूर्ण। भूचुम्बकीय क्षेत्र के तत्व। चुम्बकत्वमापी। डाय, पैरा और फेरो चुम्बकत्व।

विद्युत् चार्ज, विद्युत् क्षेत्र और विभव: कोलम्ब-नियम।

विद्युत् धारा:—विद्युत् सेल, ई० एम० एक० प्रतिरोध: एमीटर और वोल्टमीटर। ओह्म का नियम: श्रेणी और समानांतर में प्रतिरोध, विविष्ट प्रतिरोध और चालकता। धारा का तापन प्रभाव।

व्हीटस्टोन ब्रीज, विभवमापी।

धारा का चुम्बकीय प्रभाव: सीधे तार, कुंडली और सोलिनॉयड:—विद्युत्, चुम्बक: विद्युत् घंटी।

चुम्बकीय क्षेत्र में चालक वाली धारा पर बल: चल कुंडलीधारा-मापी: एमीटर या वोल्टमीटर में परिवर्तन।

धारा के रासायनिक प्रभाव: प्राथमिक और स्टोरेज सेल और उनकी क्रियाविधि विद्युत् अपघटन के नियम।

विद्युत्-चुम्बकीय प्रेरणा; सरल ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र। ट्रांसफार्मर, अपघटन कुंडली।

कैथोड किरणों, इलेक्ट्रान की खोज, परमाणु का बोहर मॉडल। डायोड और परिशोधक के रूप में इसके उपयोग।

ऐक्स किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग।

विघटनाभिकता:—ऐल्फा, बीटा और गामा किरणें।

नाभिकीय ऊर्जा, विखंडन और संलयन: द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन श्रृंखला अभिक्रिया।

रसायन विज्ञान

भौतिक रसायन विज्ञान

1. परमाणु संरचना, संक्षेप में पूर्व माडल। विविध माडल के रूप में परमाणु। कक्षीय परिसंकल्पना। क्वान्टम, संख्या और उनकी विशेषता; केवल आरम्भिक। अभिक्रिया। पाली का अपवर्जन सिद्धान्त। इलेक्ट्रानिक विन्यास। आफकु सिद्धान्त ए० पी० डी० और ए० ब्लॉक तत्व।

आवर्ती वर्गीकरण—केवल दीर्घ रूप। आवर्त और इलेक्ट्रानिक विन्यास। परमाणु अनुपात। आवर्तक और गुणों में विद्युत् नकारात्मकता।

2. रासायनिक आबन्धन, इलेक्ट्रोनेगेटिविटी, कोवैलेंट, कोडिनेट, कोवैलेंट बंधन। डी० तथा ए० बंधनों के बंधन गुण, जल, हाइड्रोजन, सल-फाईड, मिथेन और अमोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार। मोलेक्यूलर सम्बन्ध तथा हाइड्रोजन आबन्धन।

3. रासायनिक अभिक्रिया में ऊर्जा परिवर्तन ऊष्मा उन्मीची और ऊष्माशीली अभिक्रिया। ऊष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग। स्थिर ऊष्मा संकलन को हेस का नियम।

4. रासायनिक संतुलन और अभिक्रिया की दरें। द्रव्यमान क्रिया का नियम। दबाव के प्रभाव। तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (ली चेटलियर के सिद्धान्त पर आधारित गुणात्मक अभिक्रिया) आणविकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियाएं। सक्रियण की ऊर्जा परिकल्पना। अमोनिया और सलफर डाइआक्साइड के निर्माण के लिये प्रयोग।

5. विलयन: वास्तविक विलयन, कोलोइड विलयन और स्थगन। तनु विलयनों के अणुसंख्य गुणधर्म और विलीन पदार्थों के अणु भार निर्धारण करना। क्वाली बिन्दुओं का उद्घाटन। हिप्पॉक अवसादन। आस्मेट दबाव। राल्ट का नियम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया)।

6. विद्युत् रसायन विज्ञान:—विद्युत् अपघटन। विद्युत् अपघटन का फैराडे नियम। आयनी संतुलन। घुलनशीलता उत्पाद। प्रबल तथा क्षीण अपघटन। अम्ल तथा बेस (लेविस तथा ब्रोनस्टीड की परिकल्पना)। डी० ए० तथा उभय प्रतिरोधी विलयन।

7. आक्सीकरण-अपचयन:—प्राथमिक इलेक्ट्रानिकी परिकल्पना और आक्सीकरण अंक।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनाभिकता:—नाभिकीय विखंडन और संलयन। विघटनाभिक समस्याओं के उपयोग।

प्रकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों की संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके औद्योगिकीय महत्वपूर्ण मिश्रण।

1. हाइड्रोजन : भावत तालिका में स्थिति। हाइड्रोजन का समस्थानिक मृणात्मक तथा घनात्मक विद्युती। जल, कटोर, मुद्गल जल; उद्योगों में जल का उपयोग। भारी पानी और इसके उपयोग।

2. ग्रुप I तत्व। सोडियम हाइड्रोक्साइड का विनिर्माण। सोडियम कार्बोनेट। सोडियम वाइकार्बोनेट और सोडियम क्लोराइड।

3. ग्रुप II तत्व। आशु तथा बुझा हुआ चूना। जिप्सम प्लास्टर आफ पेरिस। मैगनीशियम सल्फेट और मैगनीशिया।

4. ग्रुप III तत्व। बोरक्स, एलुमिना और एलम।

5. ग्रुप IV तत्व। कोयला, लकड़ी तथा ठोस ईंधन। मिलिकेट, जोलिटिस तथा अर्द्धसुचालक। पीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6. ग्रुप V तत्व। अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का विनिर्माण। गैस फास्फेट और निरापद दियासलाई।

7. ग्रुप VI तत्व। हाइड्रोजन पर आक्साइड गंधक, सल्फयूरिक अम्ल की ऊपररूपता। गंधक के आक्साइड।

8. ग्रुप VII तत्व। क्लोरिन क्लोरिन का विनिर्माण तथा उपयोग। ब्रोमीन और आयोडीन। हाइड्रोक्लोरिक अम्ल। ब्लीचिंग पाउडर।

9. ग्रुप O (उल्कृत गैस) हीलियम और इसके उपयोग।

10. धातुकीय संसाधन :—तांबा, लोहा, एल्युमिनियम, खान्ती, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट सन्दर्भ के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियाँ। इन धातुओं की सर्वनिष्ठ मिश्रधातु; मिक्लि मैगनीज, इत्यादि।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्राहेड्रल स्वरूप। संकरण और जी० एन० बंधन तथा उनकी सांकेतिक शक्ति। एकल तथा बहु बंधन। अणु का आकार। ज्यामितीय तथा प्रकाशीय समावयवता।

2. ऐलकेन, ऐल्कीन और ऐल्कीलीन के तैयार करने के गुणधर्मों और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियाँ। पेट्रोलियम और इसकी परिवर्धन ईंधन के रूप में इसके उपयोग।

एरोमेटिक हाइड्रोकार्बनः—

अनुनाद और एरोमेटिकता। बेन्जीन तथा मैथिलीन और उनके सावृष्य ऐरोमेटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ।

3. हैलोजीन व्युत्पत्तियाँ : क्लोरोफार्म कार्बन, टेट्राक्लोराइड, क्लोरो-बेन्जीन—डी० डी० टी० और गैमेक्सीन।

4. हाइड्रोक्सी मिश्रण : प्राथमिक, द्वितीय और तृतीयक ऐल्कोहल मिथानाल, इथानाल, ग्लिसरोल और फिनोल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग। ऐलिफैटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ।

5. इथर : डाइथाइल इथर।

6. हलडीहाइड्स और केटान्स : फार्मलडीहाइड। एसिटोबीडीहाइड। बेंजलडीहाइड, एसिटोन, एसिटोफीनाल।

7. नाइट्रो यौगिक एमीन : नाइट्रोबेन्जीन। टी० एन० टी०। एनीलीन डाइजोनियम यौगिक। एजोडाइज।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल : फोर्मिक, ऐसीटिक, बेन्जोइक और सेली-सिलिक अम्ल, एसिटाल सेलीसिलिक अम्ल।

9. एस्टर : इथाइलरोसीटेट, मिथाइल सेलीसिलेट्स, इथाइल बेन्जोएट।

10. पालीमर्स : पोलिथीन टेजलान, पर्सपेक्स, कृत्रिम रबर, नायलन और पोलिएस्टर तंतु।

11. कार्बोहाइड्रेट्स, वसा और लिपोइड्स, एमीनो अम्ल और प्रोटीन विटामिन और होर्मोन्स की प्रसंरचनात्मक अभिक्रिया।

गणितबीजगणित

अंक प्रणाली—वास्तविक अंक। पूर्णांक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

प्रारम्भिक अंक मिश्रित—विभाजन, इल्लोमियम विधि। प्रभाज और संयुक्त संख्याएँ गुणित तथा गुणनखण्ड। गुणनखंडन प्रमेय। महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। यूक्लीडोन ऐल्गोमियम।

लघुगुणक और उनका प्रयोग।

आधारी संक्रिया : सरल गुणनखंडन। बहुपदों का महत्तम समापवर्तक, लघुतम समापवर्त्य। द्विघाती समीकरणों का हल, इसके मूल और गुणांक में सम्बन्ध।

भाजक ऐल्गोमियम।

सूचकों के नियम, ए० पी० और जी० पी० ज्यामितीय श्रेणियाँ और इसका आवर्ती दशमलव भिन्न में प्रयोग।

क्रमबद्ध और संयोजन। घनात्मक पूर्णांक सूचक के लिये द्विपद प्रमेय। सन्निकटन के लिये परिमेय सूचकों के लिये द्विपद प्रमेय का प्रयोग।

युगपत रैखिक समीकरण (तीन अज्ञात संख्याओं तक) और उनका हल। एक्स 1 एक्स 2 और एक्स 3 पर बाई के लिए हुए मूल्यों के लिये द्विघाती वक्र बाई=ए० बी० एक्स सी० एक्स 2 का संयोजन।

युगपत रैखिक असामिका (दो अज्ञात संख्याओं में) और उनका ग्राफ।

2×2 मैट्रिक्स और प्रारम्भिक संक्रिया। तत्समक आइड्यू। 3 से अधिक क्रम का आइड्यू निश्चयन का विषय।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समतल आकृति का क्षेत्रफल। वर्ग, विरामिहो, लम्बवृत्तीय त्रिभुजों के आयतन और घरातलः—शंकु और गोलक।

(उपर्युक्त अध्यायों से सम्बद्ध व्यावहारिक प्रश्न पूछे जायेंगे और आवश्यकतानुसार यथोचित सूत्र दिये जायेंगे)

त्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियों और रेडियन में माप। त्रिकोणमितीय अनुपात। योग के सूत्र। कोणों के अक्षर्यों और अक्षर्यों के साइन, कोसाइन और टैजेंट। साइन, कोसाइन और टैजेंट की आवृत्तिता और ग्राफ। सरल त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल।

ऊँचाई और दूरी के सरल प्रश्न।

विश्लेषिक ज्यामिति

समतल में रेखा की समीकरण। प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण। दो रेखाओं के बीच कोण। सामान्तर और लम्बीय रेखाएँ।

दो सीधी रेखाओं की काटिसियन समीकरण।

वृत्त का समीकरण। सामान्य समीकरण। वृत्त के स्पर्शी और सामान्य समीकरण। दो वृत्तों के मूलभूत। वृत्त-कुल।

परवलय, दीर्घवृत्त और अतिपरवलय की मानक समीकरण। वक्र पर किसी बिन्दु पर स्पर्शी और सामान्य समीकरण।

(उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लोगरिथमिक सारिकाओं के प्रयोग की अनुमति दी जायेगी)

गणित II

कलम (अवकल और पूर्णांक)

उदाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उनके ग्राफ। संयुक्त और व्युत्क्रम फलन। वास्तविक फलनों का बीजगणित। परिमय और त्रिकोण-मितिय फलनों के उदाहरण और पत्र-फलन।

सीमा धारणा और फलन और योगांतर का मानक, फलनों का उत्पत्ति और भागफल।

किसी बिन्दु पर फलन का व्युत्पन्न। परिवर्तन की तात्कालिक दर के रूप में व्युत्पन्न और वक्र का ढाल।

फलनों के योग, अन्तर, गुणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियाँ। संयुक्त फलनों और 1-1 फलनों के व्युत्क्रम की व्युत्पत्तियाँ। बहुपद फलनों, परिमय फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों और व्युत्क्रम त्रिकोणमितीय फलनों की व्युत्पत्तियाँ।

फलनों का आद्य और अनिश्चित पूर्णांक।

सरल मामलों में आद्य की परिगणन—(मग्न) प्रतिस्थापन द्वारा और प्रगतः समेकन।

यांत्रिकी (संविज पद्धतियों की अनुमति होगी)

स्थैतिकी: बल का निरूपण, बल समानांतर चतुर्भुज। बल का संयोजन और विभेदन। समदिश और विपरीत बल। आयुर्ण बल युग्म। सतुलन के प्रतिबंधसंगामी बल और समसंक्षीप बल (4 से अधिक नहीं)।

बल-त्रिभुज

सरल पिंडों का गुरुत्व केन्द्र।

कार्य और शक्ति। सरल यंत्र (लीवर, घिरनी तन्त्र, गियर)।

गतिकी: कण का विस्थापन, गति, वेग और त्वरण। सतत त्वरण के अन्तर्गत सीधी रेखा में गति। प्रक्षेपी से सम्बद्ध सरल प्रश्न। एक रस्सी से बन्धे दो द्रव्यमानों की गति। ऊर्जा विनियम।

(उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लागू की प्रयोग की अनुमति दी जायेगी)

मनोवैज्ञानिक परीक्षण—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों की बुनियादी जानकारी और यांत्रिक अभिरुचि का मूल्यांकन हो सके।

व्यक्तिगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक ऐसे बोर्ड द्वारा साक्षात्कार किया जायेगा जिसके सामने उम्मीदवार के शैक्षिक तथा शालाबाह्य दोनों प्रकार के जीवन वृत्त का अभिलेख होगा। उनसे सामान्य हित के मामलों से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे। उनके नेतृत्व, पहलुशक्ति और बौद्धिक उत्प्रेरकता, व्यवहार कुशलता और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक शक्ति, व्यावहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिये विशेष ध्यान दिया जायेगा।

परिशिष्ट II

यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिये विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिये प्रकाशित किये जाते हैं। विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षाओं और उन उम्मीदवारों का मार्ग दर्शन भी करना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षाओं द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है। किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिये गये नियमों के अनुसार योग्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड को भारत सरकार को उसकी अनुमति करने का अधिकार होगा जिसके लिये बोर्ड इस आशय के लिखित कारणों का उल्लेख करेगा कि अग्रे उम्मीदवार सरकार की हानि के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है।

2—291GI/78

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिये कि भारत सरकार की चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिये स्वस्थ ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके नियुक्ति के बाद दक्षता पूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की भावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में शैक्षिक बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त, समझे, व्यवहार में लायें। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिये और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिये। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कद और छाती के घेरे के लिये कम से कम मानक निम्नलिखित है, जिन पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

	कद	छाती का घेरा (पूरा फैला कर)	फैलाव
	सें० मी०	सें० मी०	सें० मी०
पुरुष उम्मीदवारों के लिये	152	84	5
महिला उम्मीदवारों के लिये	150	79	5

अनुसूचित जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाओं, गढ़वालियों, असमियों, नागालैंड के आदिवासियों आदि, जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है, के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद कम से कम कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जायेगा।

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस कार सटा कर खड़ा किया जायेगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एड़ियों के पांवों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियाँ, पिंडलियाँ, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जायेगी ताकि सिर का स्तर (बटैक्स आफ दी हैड सेवल) हार्जिटल बार (आड़ी छड़) के नीचे जाये। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जायेगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जायेगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जायेगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फिरियर-एंग्ल्स) के पीछे रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हार्जिटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जायेगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किये जायें ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिये कहा जायेगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जायेगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा। जैसे 84-89, 86-93 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फैशन) को नोट नहीं करना चाहिये।

ध्यान दें :—अन्तिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिये।

5. उम्मीदवार का वजन किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिये।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा :—

(i) सामान्य (जनरल) :—किसी रोग या असामान्यता (एबनार्मैलिटी) का पता लगाने के लिये उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जायेगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कान्तिगुअस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिये अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्थीकृत कर दिया जायेगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्जुइटी) :—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिये दो तरह की जांच की जायेगी। एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीक की नजर के लिये। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जायेगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) को कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मैथिकल बोर्ड या अन्य मैथिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जायेगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जायेगी।

उम्मीदवार की उपकरण, से परीक्षा की जायेगी और उसकी दृष्टि सुतीक्ष्णता टेस बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थाई सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जायेगी।

ध्यान दें :—मीचे निर्धारित अपेक्षाओं के स्तर को, जो उम्मीदवार पूरा नहीं करेंगे, उन्हें नियुक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जायेगा।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दृष्टि सुतीक्ष्णता का मानक निम्न-लिखित होगा :—

	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिये	6/6	6/12	जे० I	जे० I
	अथवा 6/9	अथवा 6/9		

नोट (1)

(क) मायोपिया (सिलेंडर सहित) कुल—4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिये।

(ख) हाइपरमेट्रोपिया (सिलेंडर सहित) कुल—4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिये।

(ग) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिये, और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। यदि उम्मीदवार को ऐसी रोगात्मक वशा हो, जो कि बढ़ सकती है, और उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाये।

नोट (2) :

कलर विजन :

कलर विजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिये, लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग की आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिये इशियरा की प्लेटों और एड्रिज ग्रीन जैसी दोनों लैंडन का प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) रेंजों में होना चाहिये तो लैंडन में एपचर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. द्वारक (एपचर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

स्पेशल क्लास [अप्रेंटिसेज के लिये रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

नोट (3)

दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) :—सभी सेवाओं के लिये सम्मुखन विधि कन्फिर्मेशन मथड द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जायेगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र की परिमापी (पैरीमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

नोट (4)

रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) :—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौंधी में दिखाई न देने की जांच करने लिये कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मैथिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिये जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विषय चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिये, किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिये।

नोट (5)

दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएँ (आक्युलर फंडींग्स)

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बहुत ही दुर्लभ अपवर्तन वृद्धि (रिक्रिक्टव ऐरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिये।

(ख) भैगापन :—जहाँ दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भैगापन अयोग्यता माना जायेगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(ग) एक आंख वाला व्यक्ति :—एक आंख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

नोट (6)

कान्टेक्ट लेन्स :—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लेन्स प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टाइट्ट अपशरों की प्रदीप्ति 15 फुट कैंडिल की प्रदीप्ति जैसी हो। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी भी शर्त को शिथिल करने की छूट सरकार को है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) —

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेकजीमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

(i) 15 से 25 वर्ष की युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+ प्राथी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें:—सामान्य निम्न के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संविध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को प्रयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी प्रतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि बबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (भौतिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्सरे और इलैक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकाय (बिलयरेस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में प्रतिम कैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका:—

नियमतः पारे वाले दाबमापी (मर्करी मैनोमीटर किस्म का उपकरण (इस्ट्रोमेट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या बबराहट के बाद प्रन्द्द मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बगलें कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरिजेंटल स्थिति में रोगी के पाखंड पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की खड़ को भुजा के अन्तर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को कैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (ब्रेकिंगल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीच-बीच स्टेटोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एम० जी० हवा भरी रहती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियाँ सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाए यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षोभकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होता है। यदि दोबारा पढ़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं; दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट नेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किये गये मूत्र की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के दोतक बिन्द् और लक्षणों को भी विशेष रूप से मोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोयूरिया) के सिवाय, प्रवेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह प्रमधुमेही (तान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधायें हो। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की प्रतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। क्षोभ के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम स्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिये उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए:

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छी सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या ह्यपरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर प्रयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बगलें कि कान की बीमारी बढ़ाने वाली न हो यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क', तार यातायात सेवा ग्रुप 'ख', केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है —

- | | |
|---|--|
| (i) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन, दूसरा कान सामान्य होगा। | स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज पदा पर नियुक्ति के लिये प्रायोग्य। |
| (ii) दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बाध, जिनमें श्रवण यंत्र (ह्यपरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार उभर हो। | स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज पदा पर नियुक्ति के लिये प्रायोग्य। |
| (iii) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रेन का छिद्र। | कर्म पट्टा का कोई छिद्र ठीक न हो तो प्रयोग्य किन्तु विशत घाव का निशान प्रयोग्यता का कारण नहीं माना जाएगा। |
| (iv) कान के एक और दोनों और से मस्टाइड कैविटी से सबनार्मल श्रवण। | स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के उर्दों के लिए प्रायोग्य। |
| (v) बढ़ते रहने वाला कान आपरेशन किया गया बिना आपरेशन किया गया। | तकनीकी और गैर तकनीकी पदा; निर अस्थायी रूप से प्रायोग्य। |
| (vi) नासापुट, की हड्डी संश्लो विलि-ताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक/अलजिक दशा। | (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।
(ii) यदि लक्षणों सहित नासापुट अफसरण बिद्यमान हो तो अस्थायी रूप से प्रायोग्य। |
| (vii) टासिल और/अथवा स्वर यंत्र (नेरिकन) की जीर्ण प्रवाहक दशा। | (i) टासिल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा-योग्य।
(ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से प्रायोग्य। |
| (viii) कान/नाक/गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर बुर्बभ द्युमर। | (i) हल्का द्युमर—अस्थायी रूप से प्रायोग्य।
(ii) बुर्बभ द्युमर अयोग्य श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद 30 बेसीवेल श्रवणता के अन्दर होने पर योग्य। |
| (ix) आस्टोक्लिरोसिम | |

(x) कान, नाक श्रवण गने के जन्मजात दोष ।

(i) यदि काम-काज में बाधक न हो तो योग्य ।
(ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो प्रायोग्य ।

(xi) नेजल पोली ग्रंथायी रूप में प्रायोग्य ।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो ।

(ग) उसके दांत ग्रन्थी हालत में है या नहीं, और ग्रन्थी तरह खाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे है या नहीं । (ग्रन्थी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।

(घ) उसकी छाती की बनावट ग्रन्थी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका विल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं ।

(ङ) उसे घेठ की कोई बीमारी है या नहीं ।

(च) उसे रपधर है या नहीं ।

(छ) उसे हार्डशोसिल, बड़ी हुई बेरिकोसिल, बेरिकाजगिरा (बेन) या बवासीर है या नहीं ।

(ज) उनके धर्मों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास ग्रन्थी है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं ।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।

(ट) उसमें किसी उम्र या जीण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे ।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं ।

11. विल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, उसी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए ।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाणपत्र में अवश्य ही नोट किया जाए । मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयुटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—याहें बोर्ड विशेष हो या स्थायी हो—के विरुद्ध अपील करने का अधिकार नहीं है । किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर सन्तुष्ट हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे । इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख के एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा ।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में निर्णय संबंधी त्रुटि की संभावना से सम्बंध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रमाणपत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक उसमें सम्बंध चिकित्सा व्यवसायी की इस आशय की टिप्पणी अंकित न हो कि यह टिप्पणी इस तथ्य को पूरी तरह जानते हुए अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु अयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है ।

मेडिकल बोर्ड और उनकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइली-इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अवयगियों को रोकना है । साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो ।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा ।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए ।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं । किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बतायी हो उनका विस्तृत स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सकता ।

7. ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए । नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है ।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके साथ लगे हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए । नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए ।

1. अपना पूरा नाम लिखें —

[(नाम अक्षरों में)]

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें :—

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, जैती जातियों, नागालैण्ड आदिमजाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए । उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताइए ।

4. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, दूध में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़ों की बीमारी, मूर्छा के दौर, हेमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सजिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

5. आप को चेक का टीका आखिरी बार कब लगा था ?

6. क्या आप या आपका कोई निकट का संबंधी कभी कम्बलपन, सीरोफला गाउड, दमा, दोरे, अपस्मार या पागलपन का शिकार हुआ है ?

7. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वमनेस) हुई ?

8. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

9. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

10. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हाँ में हो तो बताइए किस सेवा/फिन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

11. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

12. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

13. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो

भैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट:—उपयुक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्त हो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी आए तो बाध्यत्व निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलार्जस) या उपदान (पेयुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) ————— (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1 सामान्य विकास : अच्छा ————— बीच का ————— कम

पोषण : पतला ————— (औसत) —————

मोटा ————— कद : (जूते उतारकर) ————— बजन

अत्युत्तम बजन ————— कब था ? ————— बजन

में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन —————

तापमान —————

छाती का घेर —————

(i) पूरा सांस खींचने पर —————

(ii) पूरा सांस निकालने पर —————

2. स्वभा—कोई जाहिरा बीमारी

3. नेत्र:—

(1) कोई बीमारी —————

(2) रतींधी —————

(3) कलर बिजन का दोष —————

(4) दृष्टि श्रेष्ठ (फील्ड आफ बिजन) —————

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी) —————

(6) फंडस की जाँच —————

दृष्टि की तीक्ष्णता	घरमें के बिना घरमें से घरमें की पावर स्पी० सिलि एक्सिस
दूर की नजर	दा० ने० बा० ने०
पास की नजर	दा० ने० बा० ने०
हार्डपरमैट्रोपिया (ब्यक्त)	दा० ने० बा० ने०

4. कान : निरीक्षण ————— सुनना ————— श्रवण कान

— बाया कान —————

5. ग्रंथियाँ ————— थाइराइड —————

6. दाँतों की हालत —————

7. प्रवसन तंत्र (रास्परेटरी सिस्टम) :— क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो पूरा ब्यौरा दें —————

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आगिक विक्षत (आर्गनिक लीजन) —————

गति (रेट) :

छड़े होने पर —————

25 बार कुवाए जाने के बाद —————

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद —————

क्लड प्रेशर ————— सिस्टोलिक

डायस्टोलिक —————

9. उदर (पेट) घेरा ————— स्पर्श सहायता

हानिया —————

(क) दबाकर मालूम पड़ना/जिगर —————

तिस्ली ————— गुर्दे —————

ट्यूमर —————

(ख) रक्तार्ण —————

शर्गदर —————

10. तंत्रिका तंत्र (नर्वे सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत —————

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) :

कोई अपसामान्यता —————

12. जनन मूत्र तंत्र (जेनिटी यूरिनरी सिस्टम) — हाइड्रोसील, बैरिकोसील

आदि का कोई संकेत :

मूत्र परीक्षा :—

(क) कैसा दिखता पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुणत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एल्बमैन

(घ) शर्करा

(ङ) कास्ट्स

(च) कोशिकाएँ (सेल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्टें

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की इयूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट:—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के वक्ष तथा सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए वह अयोग्य पाया गया है।

स्थान—

तारीख—

अध्यक्ष

सदस्य—

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर चुने गए स्पेशल क्लास अप्रेंटिसों हेतु

अप्रेंटिसशिप की शर्तें

अप्रेंटिसशिप की शर्तों का उल्लेख इंडियन रेलवे एस्टेब्लिशमेंट सेन्युअल में निर्धारित करार-पत्र में कर दिया जाएगा। इसका संक्षिप्त स्वीरा निम्न प्रकार है:—

1. स्पेशल क्लास अप्रेंटिस के रूप में नियुक्ति हेतु चुना गया उम्मीदवार इस आशय का एक करारनामा भरेगा कि केन्द्रीय सरकार की सन्तुष्टि के अनुरूप प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर जो धन उसे अप्रेंटिस के रूप में नियुक्त होने पर दिया गया है उसको लौटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिभू संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में बाध्य होंगे।

अप्रेंटिस की शुरु में एक चार वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक प्रशिक्षण इस आशय के बाध्यक अनुबन्ध पत्र के अन्तर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़े तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेल में सेवा करनी पड़ेगी। उसकी अप्रेंटिसशिप एक वर्ष के बाद दूसरे वर्ष तभी चालू रखी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उससे संतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रेंटिसशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में सन्तुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है या तो उसे अप्रेंटिसशिप से अलग कर दिया जाएगा।

टिप्पणी—भारत सरकार अपनी विवक्षा पर प्रशिक्षण की अवधि तथा कोर्स में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकते हैं।

2. अप्रेंटिसशिप के चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशॉप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लास अप्रेंटिसों को इस अवधि के दौरान या तो काउंसिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूशंस एग्जामिनेशन (लन्दन) का भाग 1 और 2 या इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) एग्जामिनेशन की एसोशिएट मेम्बरशिप का सेवशन 'ए' और 'बी' अवश्य पास करना चाहिए। अप्रेंटिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 350/- रु० प्र० मा० छात्रवृत्ति तथा तीसरे और चौथे वर्षों के दौरान 400/- रु० प्र० मा० छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रेंटिसशिप के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसमें कुल छः सिमेस्टर परीक्षाएं होंगी, जिनमें से प्रत्येक को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उसके निष्पादन को देखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या भगले निचले बेंच में चले जाने को या अप्रेंटिसशिप से हट जाने को कहा जाएगा।

टिप्पणी—सिवाय जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह अनुधीनता अवसंयम या अन्य कदाचार का दोषी पाया जाता है, या कोई करार

भंग कर दिया जाता है, अप्रेंटिसशिप से हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण का चौथा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रेंटिसों की एक सूची ली गई परीक्षा या अप्रेंटिसशिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर योग्यता क्रम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रेंटिस यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिबीक्षा पर नियुक्त किए जायेंगे।

ध्यान दें—किसी भी प्रशिक्षु को ग्रहण स्तर की योग्यता से युक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह सिमेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व वैद्युत इंजीनियरी संस्थान, जमालपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सिमेस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षुओं को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उनकी प्रशिक्षुता असफल रही, प्रशिक्षुता से निवृत्त कर दिया जाएगा।

5. अप्रेंटिसशिप के चार वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट IV में नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रेंटिसों को यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिबीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के वेतन एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट IV में दिए गए हैं।

परिशिष्ट IV

यांत्रिकी इंजीनियरों का भारतीय रेलवे सेवा से सम्बन्धित विवरण

1. परिबीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिबीक्षकों के रूप में नियुक्ति और वेतन का आरम्भ (क) अप्रेंटिसशिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (ख) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से, जो भी बाद की हो, माना जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि उन स्पेशल क्लास अप्रेंटिसों का, जो अपने अप्रेंटिसशिप के 4 वर्ष के भीतर ए० एम० आई० ई० (लन्दन) के भाग I और II ए० एम० आई० ई० (इंडिया) के भाग ए० और बी० परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परिबीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट: (i) परिबीक्षकों को सेवा में बनाए रखने और उनको वार्षिक वेतन वृद्धियां स्वीकृत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्टें प्राप्त हो जाएं।

(ii) किसी भी और से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परिबीक्षकों की सेवायें समाप्त की जा सकती हैं।

2. परिबीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनको एक या अनेक भारतीय रेलवे केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्य-क्रम होगा और यह समय समय पर संशोधित भी हो सकती है। परिबीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य समय से बाध किसी प्राविधिक महाविद्यालय में या इंजीनियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दशा के बाद मौखिक होगी और दो साल पूरा होने के बाद इस अवधि में परिबीक्षितों को दिए गए प्रशिक्षण पर एक लिखित परीक्षा होगी जो मुख्य यांत्रिकी अधीनता और जिस रेलवे में परिबीक्षित की नियुक्ति होती है, वहां के मुख्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होगी। इसमें ग्रहता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परिबीक्षा की अवधि में उनको रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इसमें बुझा बैठने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी जब तक कुछ मापवाधिक परिस्थितियां न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छुट को उपयुक्त प्रमाणित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर

सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक वे परीक्षा में उत्तीर्ण न हों, उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परिबीक्षा अवधि यथावश्यक बढ़ा दी जाएगी परिबीक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसके विषय होंगे—लेखा और प्राक्कलन, सामान्य और प्राथमिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपूर्ति अधिनियम, श्रमिकों से काम करने का कौशल तथा परिबीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य या कार्यों में उनकी अनुप्रयुक्तता। उनकी इस विभागीय परीक्षा में परिबीक्षा के दूसरे साल के अन्दर अन्तर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वेतन वृद्धि रुकवा दी जाती है। निश्चित अवधि के अन्दर किसी या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परिबीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस वृत्ति में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई परिबीक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पहली और उसके बाद की वेतनवृद्धियों की प्राप्ति समय समय पर प्रवर्तित नियमों और आदेशों के अनुसार नियंत्रित होगी। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने को अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ प्रापञ्चिक परिस्थितियाँ न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य-लेख कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छूट उपयुक्त मालूम पड़े।

ध्यान दें :—सरकार, अपने निर्णय से, किसी भी कार्यकारी पद की प्रशिक्षण-

अवधि और परिबीक्षा-अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समाप्त न होने पर प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परिबीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परिबीक्षाधीन अधिकारियों की देवनागरी लिपि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परिबीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निवेशक, दिल्ली के द्वारा आयोजित हिन्दी प्रवीण या केन्द्रीय सरकार द्वारा माप्यता प्राप्त और कोई समकक्ष परीक्षा हो सकती है।

जब तक कोई परिबीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसका वेतन सामयिक वेतनमान में रु० 780.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्त किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा में या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें उस प्रशिक्षण की अवधि भी शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) परिबीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी—

(क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे और;

(ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अन्वधान करेंगे :—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्य-भार ग्रहण करते हैं, लागू है।

7. परिबीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतनवृद्धि हेतु सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी। वेतन प्राप्ति का विवरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में उल्लिखित है।

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के ओ भारतीय रेल के अधिकारियों पर लागू हैं, अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए, उसी रेल में लगे रहेंगे जहां उनकी पहली नियुक्ति होती है और किसी दूसरी रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की अपेक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में या परियोजना में स्थानान्तरण कर सके। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्त अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दरें प्राक्कृत हैं।

कनिष्ठ वेतनमान : रु० 700-40-900-६० रु०-40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान : रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :— 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (i) रु० 2250-125/2-2500

(ii) रु० 2500-125/2-2750

टिप्पणी 1.—परिबीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतनमान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यारम्भ की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उनका वेतन 740.00 रु० प्र० मा० से 780.00 प्र० मा० तक बढ़ाया जाए उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।

टिप्पणी 2.—यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्षों और परिबीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं तो रु० 740.00 से रु० 780.00 तक की वृद्धि रोक दी जाएगी। जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन जिस तारीख को अन्तिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस अवस्था पर नियत किया जायेगा जो वे अवस्था प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतनवृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतन वृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति संस्वीकृत स्थापना में रिक्तियाँ होने पर ही होती है और पूरी तरह नियत पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता पदोन्नति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।

परिशिष्ट—V

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको “वस्तुपरक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर कैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वच्छ से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होगा। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c क्रम में सभाषित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्र परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आधात को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्र के आधात को काला बनाने के लिए स्याही का उपयोग नहीं करना चाहिए।

1.	a		c	d	e
2.	a	b	c		e
3.		b	c	d	e

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। जो गलत उत्तर एच० बी० पेंसिल के अतिरिक्त दूसरी पेंसिल के प्रयोग और विकृत उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुग्राही है। इसलिए यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलो) ही लायें और उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पेंसिलों या पेन के द्वारा बनाये गए निशान संभव है मशीन से ठीक ठीक न पड़े जायें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जायें और वह टेढ़ा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँचना होगा और पहुँचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या याही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है इसलिए सम्भव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जायें। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संविध है तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लायें। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबर, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उम पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

झ. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण-पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाथिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई छोल नहीं जाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

ञ. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, बख्ता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित मही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपकी अंक दिए जायेंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी सूक्ष्म बुद्धि और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जायें कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें आप लिखना बन्द कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बन्द नहीं करते हैं, वे दंड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठ रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जायें और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निदेश का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?

- अशोक के उत्तराधिकारी सब के सब कमजोर थे।
- अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्यपुस्तकें कलाप का मुख्य प्रयोजन

- विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह हैं;

- शुक्र
- मंगल
- बृहस्पति
- बुध

उत्तर (d)

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक सम्बन्ध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- वेड़ पोछे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- वेड़ पोछे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- वेड़ पोछे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकੀ जाती है।
- वेड़ पोछे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

योजना मंत्रालय

सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1978

सं० एम० 13011/1/78-रा० प्रा० सव-2—सांख्यिकी विभाग के दिनांक 31 अगस्त 1978 की अधिसूचना सं० एम० 13011/1/78-रा० प्रा० सर्वे-2 के क्रम में कर्नाटक सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकी कार्यालय के निदेशक श्री एम० बी० नंजाप्पा को भी दिनांक 1 जुलाई, 1978 से 30 जून 1980 तक दो वर्ष की अवधि के लिये राष्ट्रीय प्रतिवर्ष सर्वेक्षण संगठन के कार्यकलापों के विनियमन के लिये शासी परिषद् का सदस्य नियुक्त किया जाता है।

बी० डी० आहजा, अवर सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001 दिनांक 29 सितम्बर, 1978

सं० यू० 13019/7/78-ए० एन० एल०—राष्ट्रपति, 2 सितम्बर, 1978 (11भाद्र, 1900) को भारत के राजपत्र के पृष्ठ 725 में प्रकाशित भारत सरकार, गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० यू०-13019/7/78-ए० एन० एल० (1) को रद्द करते हैं।

उमा पिल्लै, उप सचिव

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० 1/5/76-सी० टी० ई०—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह सूचित किया जाता है कि डा० बी० डी० तिलक, निदेशक, राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे, जो 30-9-1978 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं के स्थान पर डा० एच० बी० के० उड्डपा निदेशक, केन्द्रीय विद्युत् रसायन अनुसंधान संस्थान, कराईकुडी को 1-10-1978 से दो वर्षों के लिये समन्वय परिषद्, रसायन विज्ञान ग्रुप को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अतः डा० बी० डी० तिलक का नाम और पदनाम, जो अधिसूचना क्रमांक 1/15/75-सी० टी० ई० और क्रमः 1/5/76-सी० टी० ई० दिनांक 10-8-1977 की क्रम, संख्या 6 (III), में अंकित था और भारत के राजपत्र भाग-I, अनुभाग-1 में प्रकाशित किया गया था के स्थान पर अब डा० एच० बी० के० उड्डपा, निदेशक केन्द्रीय विद्युत् रसायन अनुसंधान संस्थान, कराईकुडी का नाम माना जाए और डा० बी० डी० तिलक के नाम के सामने आए शब्दों "(30-9-1978 तक)" को डा० एच० बी० के० उड्डपा के नाम के आगे माना जाए "(30-9-1980 तक)"।

ए० रामचन्द्रन, सचिव

नई दिल्ली-110029, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० एफ० 1 (14)/76-एस० आर०-I (एन० आर० डी० सी०)—नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कारपोरेशन आफ इण्डिया (कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन पंजीकृत एक कम्पनी) के अन्तर्नियमों के अनुच्छेद संख्या 89 के अनुसरण में और इस विभाग की 4 अक्टूबर 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति श्री आर० एस० भट्ट की निदेशक मंडल के अंशकालिक सभापति के रूप में नियुक्ति को सहर्ष 15 सितम्बर, 1978 से 14 सितम्बर, 1980 तक 2 वर्ष की अवधि के लिये और आगे बढ़ाते हैं।

के० बी० स्वामीनाथन, निदेशक

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर, 1978

सं० एल० 14011/2/78-ए० पी०—आन्ध्र प्रदेश में शिशु देखरेख परियोजना संबंधी नीतिपरक तथा तकनीकी मामलों के बारे में सलाह देने के लिये भारतीय सलाहकार बोर्ड के गठन के बारे में इस मंत्रालय की 29 जनवरी 78 की अधिसूचना सं० 5/9/71-ए० पी० और बाद में जारी किये गये सूत्रिपत्रों का अधिग्रहण करते हुए सलाहकार बोर्ड को पुनर्गठित करने का निर्णय किया गया है, जो इस प्रकार है:-

1. आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव अध्यक्ष
2. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, शिक्षा विभाग सदस्य
3. अपर सचिव एवं आयुक्त, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार अथवा उनके द्वारा मनोनीत किया गया अधिकारी सदस्य

4. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग	सदस्य
5. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, नगर प्रशासन विभाग तथा नगर विकास विभाग	सदस्य
6. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, श्रम, रोजगार तथा तकनीकी शिक्षा विभाग	सदस्य
7. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, पंचायत राज विभाग	सदस्य
8. कलेक्टर, हैदराबाद	सदस्य
9. निदेशक, राष्ट्रीय पोषण, संस्थागत तारानाका, हैदराबाद	सदस्य
10. अध्यक्ष, भारतीय शिशु कल्याण परिषद्, नई दिल्ली	सदस्य
11. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशक, आंध्र प्रदेश सरकार	सदस्य
12. निदेशक (अनुसंधान), समाज कल्याण विभाग भारत सरकार नई दिल्ली।	सदस्य
13. श्रीमती प्रेम लता गुप्त, अध्यक्ष, भारतीय परिवार नियोजन संघ (आंध्र प्रदेश), हैदराबाद।	सदस्य
14. सचिव, भारतीय स्कूल-पूर्व शिक्षा सघ, नई दिल्ली	सदस्य
15. श्रीमती बहाबुद्दीन अहमद, अध्यक्ष, भारत प्रामोण महिला संघ, हैदराबाद।	सदस्य
16. श्रीमती जे० कुमिदिनी देवी, शिवानन्दागृहा, 77, बेगम्पेट, हैदराबाद।	सदस्य
17. निदेशक, महिला शिशु कल्याण, आंध्र प्रदेश सरकार	सदस्य
18. श्रीमती वी० रामाराव, सदस्य, विधान परिषद् (आंध्र प्रदेश) 5, स्पेशल 'बी' ओल्ड एम० एल० क्वार्टर, हैदराबाद-500001।	सदस्य
19. श्रीमती बी० लक्ष्मण, 8-3-1107, केशव नगर, हैदराबाद-500873।	सदस्य
20. निदेशक, इण्डो-डच प्रोजेक्ट, हैदराबाद प्रदेश	सदस्य

यह आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना की एक प्रति आंध्र प्रदेश सरकार को भेजी जाए और यह अधिसूचना भारत के राजपत्र में सूचनार्थ प्रकाशित कर दी जाए।

रमेश बहादुर डप सचिव

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय
नई दिल्ली-1, दिनांक 26 सितम्बर 1978
[संकल्प]

सं० एच० एस० 11027/6/77-एच० एल०—भारत पर्यटन विकास निगम के गैर-अधिकारी कर्मचारियों के लिये एक वेतन पुनरीक्षण समिति के गठन के संबंध में इस मंत्रालय के संकल्प संख्या एच० एस०-11027/6/77-एच० एल० दिनांक 5 अगस्त, 1977 और समिति की अपनी सिफारिशें पेश करने हेतु समयावधि बढ़ाए जाने संबंधी संकल्प संख्या एच० एस०-11027/6/77-एच० एल० दिनांक 21 मार्च, 1978 के अनुक्रम में, सरकार ने समिति की समयावधि को और आगे 4 नवम्बर 1978 तक तीन महीने के लिये बढ़ाने का निर्णय किया है ताकि समिति अपनी सिफारिशें सरकार को प्रस्तुत कर सके।

आवेश

आवेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत के राजपत्र में आम सूचना के लिये प्रकाशित की जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रतिलिपि सभी संबंधितों को भेजी जाए।

सी० वी० जैन, महानिदेशक (पर्यटन)
और पदेन अपर सचिव,

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1978

संकल्प

सं० ई० 11011/25/73-प्रशा०-1/हिन्दी—सूचना और प्रसारण मंत्रालय के 24 जून, 1975 के संकल्प सं० ई० 11011/25/73-प्रशा०-1/हिन्दी का अधिक्रमण करने हुए, भारत सरकार ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय की सूचना और प्रसारण हिन्दी समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है।

2. इस समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे:—

1. सूचना और प्रसारण मंत्री	अध्यक्ष
2. श्री राम कंवर बेरवा, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3. श्रीमती प्रतिभा सिंह, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
4-5. दो अन्य संसद सदस्य (अभी नामांकित [किये जाने हैं])।	सदस्य
6. श्री सच्चिदानन्द बास्पायन "अज्ञेय", सम्पादक, 'नव भारत टाइम्स', [2, बाहदुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।	सदस्य
7. डा० विद्या निवास मिश्र, निदेशक, क० मु० हिन्दी तथा भाषा विज्ञान, विद्यापीठ, आगरा विश्वविद्यालय, [आगरा-282004।	सदस्य
8. श्री गिरिजा कुमार माधुर, 3, प० पन्त मार्ग, नई दिल्ली।	सदस्य
9. श्री विष्णु कास्त शास्त्री, विधायक, पश्चिम बंगाल विधान सभा, 280, चित्तरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-700006।	सदस्य
10. डा० मोटूरि सत्यनारायण, (अध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण मंडल, आगरा) 7, फर्स्ट फ्रीसेंट रोड, गांधी नगर, आउपार, मद्रास-600020।	सदस्य
11. प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी, हिन्दी विभागाध्यक्ष, आंध्र विश्वविद्यालय, विद्यानगर, विशाखापत्तनम्-530003।	सदस्य
12. श्रीमती मधू भंडारी, 29/17 शक्ति नगर, दिल्ली-7।	सदस्य
13. श्री कुंदर अम्बर प्रकाश सिंह, ब्रह्म नगर, सीतापुर रोड, लखनऊ-226007।	सदस्य
14. डा० एन० एस० वक्षिणमूर्ति, प्राध्यापक, स्नातकोत्तर हिन्दी अध्ययन तथा अनुसंधान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मानस गंगोत्री, मैसूर-6।	सदस्य

15. श्री राम लाल परीख, सचिव, अखिल भारतीय हिन्दी सस्था सघ, 75, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, नई दिल्ली-110002।	सदस्य
16. श्री शंकरराव लोडे, मंत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा।	महस्य
17. श्री किशन पटनायक, सी-37, पीपुल्स को-ऑपरेटिव कालोनी, लोहिया नगर, पटना-800020।	सदस्य
18. श्री के० नरेन्द्र, सम्पादक, 'दैनिक प्रताप', 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002।	सदस्य
19. श्रीमती उमाराव, 15, टैगोर टाउन, इलाहाबाद।	सदस्य
20. सचिव राजभाषा विभाग एवं भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार।	सदस्य
21. सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।	सदस्य
22. आकाशवाणी महानिदेशक	सदस्य
23. दूरदर्शन महानिदेशक	सदस्य
24. समाचार सेवा निदेशक, आकाशवाणी।	सदस्य
25. प्रधान सूचना अधिकारी, पत्र सूचना कार्यालय	सदस्य
26. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
27. अध्यक्ष, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग।	सदस्य
28. सूचना और प्रसारण मंत्रालय में हिन्दी कार्य से सम्बन्धित संयुक्त सचिव।	सदस्य-सचिव

3. समिति का कार्य :

समिति का कार्य केन्द्रीय हिन्दी समिति और राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) द्वारा सरकारी कामकाज के लिये हिन्दी के प्रयोग के संबंध में निर्धारित नीतियों के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा इसके माध्यम एका के कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के बारे में सलाह देना होगा।

4. कार्यकाल :

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्यतया समिति के पुनर्गठन की तारीख से तीन वर्ष होगा, बशर्ते कि—

- (1) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे सस्य सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रह सकेंगे।
- (2) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करते रहने तक समिति के सदस्य रहेंगे; और
- (3) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने के कारण अथवा समिति की सदस्यता से त्यागपत्र दे देने के कारण स्थान रिक्त होता है तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिये ही सदस्य रहेंगे।

5. सामान्य :

- (1) समिति अपने कार्य में सहायता के लिये आवश्यकतानुसार उप-समितियां नियुक्त कर सकेगी, अतिरिक्त सदस्यों को सह-योजित कर सकेगी और अपनी बैठकों में विशेषज्ञों को भी आमंत्रित कर सकेगी।
- (2) समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, किन्तु समिति अपनी बैठकें किसी अन्य स्थान पर भी कर सकेगी।
- (3) समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को समिति तथा इसकी उप-समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिये भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चित दरों पर नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ प्रशासित क्षेत्रों के प्रशासकों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री का कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व और लेखा महानियंत्रक को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अ० उ० शर्मा, संयुक्त सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० एम० 14011/4/78-ए० एल०—सरकार पिछले कुछ समय से श्रम मंत्रालय में एक स्थायी सलाहकार तंत्र स्थापित करने के प्रयत्न पर विचार कर रही है। इस तंत्र में श्रमिकों और नियोजकों के संगठनों, केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों तथा राज्य सरकारों, देश में कृषि श्रमिकों के कल्याण कार्य में लगे या सहयोजित संस्थाओं/संगठनों और विशिष्ट व्यक्तियों/समाज कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह तंत्र ग्रामीण असंगठित श्रमिकों की सामाजिक व आर्थिक दशाओं को सुधारने और उनके संगठनों को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न प्रशासनिक तथा कानूनी उपायों के संबंध में सरकार की सलाह देगा। इस मामले पर 25 जनवरी, 1978 को नई दिल्ली में हुए ग्रामीण असंगठित श्रमिक संबंधी विशेष सम्मेलन में भी विचार-विमर्श किया गया। इस सम्मेलन ने केन्द्र में इस प्रकार के स्थायी सलाहकार तंत्र की स्थापना का सुझाव दिया। तदनुसार सरकार ने ग्रामीण असंगठित श्रमिक संबंधी केन्द्रीय स्थायी समिति स्थापित करने का निर्णय किया है, जो उसे ग्रामीण असंगठित श्रमिकों की रहन-सहन तथा काम-काज की दशाओं में सुधार करने और उनके संगठनों को बढ़ावा देने संबंधी मामलों पर सलाह देगी।

2 उक्त स्थायी समिति का गठन इस प्रकार होगा :—

अध्यक्ष :

केन्द्रीय संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री

उपाध्यक्ष :

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री।

सदस्य :

- 1 श्रीमती अरुणा राय,
सामाजिक और अनुसंधान केन्द्र
तिलीनिया, अजमेर।

2. श्री बामराव सोयड,
मार्फत श्री विजया मुन्जे,
घनतोली, नागपुर।
 3. श्रीमती बनारसी देवी गुप्ता
गांव और डाकघर साराइया,
जिला भोजपुर, आरा बिहार।
 4. श्री बी० एन० राजहंस,
मगीनदास चेम्बर, द्वितीय तल,
167, पी० डिमेलो रोड,
बम्बई।
 5. डा० बी० राममूर्ति,
43, भारती नगर, नई दिल्ली।
 6. श्री चित्त बसु, संसद सदस्य,
123, नार्थ ऐवेन्यू, नई दिल्ली।
 7. श्री हरिकिशन सिंह सुरजीत, संसद सदस्य,
20, जनपथ, नई दिल्ली।
 8. श्री के० एस० रघुपति,
ए० बी० -7 पंजारा रोड,
नई दिल्ली।
 9. श्री एम० बी० राजशेखरन्,
एशियाई ग्रामीण विकास संस्थान,
19, कनकपुरा रोड,
बसवानागुडी बंगलौर।
 10. श्री रम्मापति सिंह, संसद सदस्य,
4 विन्डसर प्लेस,
नई दिल्ली।
 11. श्री एस० जगन्नाथन,
सर्वोदय मंडल,
मदुराय,
तमिल नाडु।
 12. श्री सुन्दर लाल बहुगुणा,
पर्वतीय नव जीवन मंडल,
सिलयारा,
टेहरी गढ़वाल,
उत्तर प्रदेश।
 13. श्री सुरेन्द्र मोहन, संसद सदस्य,
15, तीन मूर्ति लेन,
नई दिल्ली।
 14. प्रो० टी० के० एन० युनिथन,
समाज विज्ञान विभाग के प्रमुख,
जयपुर विश्वविद्यालय,
जयपुर।
- निम्नलिखित से एक सदस्य:
15. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
24, केनिंग लेन,
नई दिल्ली।
 16. ए० एन० मिन्हा संस्थान,
पटना।
 17. भारतीय मजदूर संघ,
23/24 बिल्डल भाई पटेल हाउस,
नई दिल्ली।
 18. भारत कृषक समाज,
1 ए० पश्चिमी निजामुद्दीन,
नई दिल्ली।
 19. विकास अध्ययन केन्द्र,
त्रिवेन्द्रम।
 20. भारतीय ट्रेड यूनियन केन्द्र,
172 लेनिन सारनी,
कलकत्ता-13।
 21. समाज विज्ञान अध्ययन केन्द्र,
कलकत्ता।
 22. कृषि राहत महासंघ,
18/5, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग
नई दिल्ली।
 23. हिन्दू मजदूर सभा,
नगीन वास चेम्बर, द्वितीय तल,
167, पी० डिमेलो रोड,
बम्बई।
 24. हिन्दू मजदूर पंचायत,
204, राजाराम मोहन राय रोड,
गिरगाँव, बम्बई।
 25. राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस,
1 बी० मौलाना आजाद रोड,
नई दिल्ली।
 26. राष्ट्रीय श्रम संगठन,
गांधी मजूर सेवालय,
भांड्रा, अहमदाबाद।
 27. युवक कृषक संघ,
नार्थ एण्ड कम्पलेक्स,
आर० के० मिशन आश्रम रोड,
नई दिल्ली।
 28. कृषि विभाग,
कृषि और सिंचाई मंत्रालय,
नई दिल्ली।
 29. ग्राम विकास विभाग,
कृषि और सिंचाई मंत्रालय,
नई दिल्ली।
 30. योजना आयोग,
नई दिल्ली।
 31. गृह मंत्रालय,
नई दिल्ली।
 32. आन्ध्र प्रदेश सरकार।
 33. बिहार सरकार।
 34. गुजरात सरकार।
 35. केरल सरकार।
 36. मध्य प्रदेश सरकार।
 37. महाराष्ट्र सरकार।
 38. पंजाब सरकार।
 39. तमिल नाडु सरकार।
 40. उत्तर प्रदेश सरकार।
 41. पश्चिम बंगाल सरकार।
सदस्य सचिव।
 42. श्री पी० एस० हबीब मोहम्मद,
संयुक्त सचिव, श्रम मंत्रालय,
नई दिल्ली।

विचारार्थ विषय :

3. यह समिति ग्रामीण असंगठित श्रमिक ("ग्रामीण असंगठित श्रमिक" की परिभाषा वही है जो "ग्रामीण श्रमिक" के लिये अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन अभिसमय संख्या 141 में दी गई है) की सामाजिक-आर्थिक दशाओं में सुधार करने और उनके संगठनों को प्रोत्साहन देने तथा विशेष रूप से निम्नलिखित मामलों पर विभिन्न प्रशासनिक और वैधानिक उपायों सरकार की सलाह देगी :

- (1) रोजगार सुरक्षा, कार्य घन्टे, मजदूरी की श्रवायगी, समाज सुरक्षा योजनाएं, यंत्रीकरण में सुरक्षा, विवाह निपटान मशीनरी आदि के संबंध में ग्रामीण श्रमिकों, विशेष रूप से कृषि श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रस्तावित केन्द्रीय कानून ;
- (2) वर्तमान श्रम कानूनों में जिस में समाज सुरक्षा कानून शामिल है, जब कभी आवश्यक हो, संशोधन और परिवर्तन ताकि इनके उपबन्धों को ग्रामीण श्रमिकों पर लागू किया जाए और उनका सख्ती से पालन किया जाए ;
- (3) प्रशासनिक और वैधानिक कदम जो ग्रामीण श्रमिकों के संगठनों के उचित विकास हेतु परिस्थितियां उत्पन्न करने के लिये उठाए जाएं,
- (4) रोजगार सृजन योजनाओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी और अल्प रोजगार को दूर करने के लिये उपाय और साधन ;
- (5) ग्रामीण श्रमिकों के संगठन और शिक्षा की प्रक्रिया को तेज करने के लिये केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड/राष्ट्रीय श्रम संस्थान के कार्यक्रमों का अभिनवीकरण ;
- (6) जंगलों और दूरस्थ क्षेत्रों में शुरू की गई परियोजनाओं में ठेका श्रम पद्धति को समाप्त करना और नव श्रमिकों की सहकारी समितियों को प्रोत्साहन देना जो स्थानीय व्यक्तियों के ग्राह्य और रोजगार की व्यवस्था कर सकें ;
- (7) ग्रामीण गरीबों के लिये स्वास्थ्य देख-रेख, परिवार कल्याण, शिक्षा, आवास, पेय जल, सड़के, संस्थागत ऋण, कृषि और

उपभोक्ता सहकारी समिति केन्द्र मुफ्त कानूनी सहायता जैसे विकास को सामाजिक-आर्थिक उपलब्धियों का विस्तार करना ;

- (8) राज्य स्तर पर गठित स्थाई समितियों के साथ सम्पर्क बनाना ;
- (9) इस समिति तथा राज्य स्तर समितियों द्वारा दिये गये सुझावों का केन्द्र तथा राज्यों द्वारा संशोधन तथा कार्यान्वयन में की गई प्रगति की समय समय पर पुनरीक्षा और जांच करना ; और
- (10) ग्रामीण श्रमिकों की समस्याओं से संबंधित कोई अन्य विषय, जिस पर सरकार समिति की सलाह मांगना चाहे।

4. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और सचिवालय सहायता की व्यवस्था श्रम मंत्रालय में ग्रामीण श्रमिक सैल द्वारा की जाएगी।

5. समिति अपनी कार्य प्रणाली स्वयं सोचेगी। यह समिति ऐसी सूचना मांग सकती है और ऐसी गवाही ले सकती है जो यह आवश्यक समझे। भारत सरकार के मंत्रालय/विभाग ऐसी सूचना, सामग्री और दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे और सभी ऐसी सहायता प्रदान करेंगे। जो समिति को जरूरत हो।

6. भारत सरकार आशा करती है कि राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन सार्वजनिक उपक्रम और निगमित निकाय नियोजकों और श्रमिकों के संगठन तथा सभी अन्य संबंधित संगठन संघ और संस्थाएं इस समिति को अपना सहयोग देंगे।

आवेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों तथा अन्य सभी संबंधितों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में आम सूचना के लिये प्रकाशित किया जाए।

एच० पाइस, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

RULES

New Delhi, the 21st October, 1978

No. 78/E(GR)/I/1/7.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1979 for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists) (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976 the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled

Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who come over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1979, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January 1959, and not later than 1st January, 1963.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
 - (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
 - (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
 - (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
 - (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
 - (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
 - (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
 - (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
 - (ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
 - (x) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
 - (xi) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
 - (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.
 - (xiii) up to maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (c) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1979 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits

prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for (*i.e.* he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977 for which he was eligible in all respects.

NOTE : Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31.12.1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education, or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary Examination or the Pre-University or equivalent Examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first/second year Examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year Examination is conducted by a University; or

- (c) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University approved by the Government of India; or
- (d) must have passed in the first or second division the P.T.C./Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or
- (e) must have passed in the first year examination under the five year Engineering Degree Course of a University, provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first Examination is conducted by a University; or

- (f) must have passed in the first or second division the Pre-degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate

who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 26th April, 1979.

NOTE III—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

7 Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8 All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10 No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules

12 Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Caste or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them

13 After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14 The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15 Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16 A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs 16 00 to the Medical Board concerned at the time of the medical examination.

NOTE—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service

17 No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

P. N. MOHILE
Secy. Railway Board.

APPENDIX I

(SEE Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan :

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below :

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks. (Vide Rule 12).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows—

Sl. No.	Subject	Time Allowed	Maximum Marks
1.	English	2 Hours	100
2.	General Knowledge	2 Hours	100
3.	Physics	2 Hours	100
4.	Chemistry	2 Hours	100
5.	Mathematics I— (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & Analytic Geometry)	2 Hours	100
6.	Mathematics II— Calculus (Differential and Integral) and Mechanics (Statics and Dynamics)	2 Hours	100
7.	Psychological Test	1 Hour	100
Total			700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

SCHEDULE

ENGLISH.—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

GENERAL KNOWLEDGE

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods, Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plants, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons, Climate, Weather. Soil—its formation, erosion, Forest and their uses. Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions). Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan. Gupta ages (Mauryan Pillars; Stupa Caves; Sanchi, Mathura and Gundharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Ellora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—democracy, Secularism, socialism, equality of opportunity. Parliamentary form of government—Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power. World organisations—political, social economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system : the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition; social control—reward and punishment, art, law, custom, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Casteism communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth; Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

PHYSICS

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse, work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force: couple. Newton's law of gravitation. Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force : Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion. Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent

heat and their measurement. Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat : thermal conductivity.

Wave motion. Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms; deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential; Coulomb's law.

Electric current : electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and Voltmeters; Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge, Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid; electromagnet; electric belt.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

CHEMISTRY

Physical Chemistry

1. Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle s, p, d and f block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in period and groups.

2. Chemical Bonding: Electro-valent covalent Coordinate covalent bonds. Bond Properties σ and π bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction : Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibrium and rates of reactions Law of Mass action. Effect of Pressure. Temperature and concentration on the rates of reaction (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle) Molecularity First and Second order reactions. Concept of Energy of activation Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points. Depression of freezing point. Osmotic Pressure. Raoult's law (Nonthermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry : Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis. Ionic equilibria. Solubility Product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronstead's concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity : Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds.

1. Hydrogen. Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements. Coal, Coke and solid Fuels, silicates, Zolites semi-conductors. Glass (Elementary treatment)

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock Phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of Sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of fluorine, chlorine. Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group 0 (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals Nickel and manganese, steels

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and σ and π bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation, properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—Its use as fuel

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform Carbon Tetrachloride, Chlorobenzene D.D.T. and DDT.

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols, Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reactions at aliphatic carbon atom.

5. Ethers : Diethyl ether.

6. Aldehydes and Ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde Benzaldehyde, acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene, TNT, Aniline Diazonium Compounds Azodyes.

8. Carboxylic acids : Formic, acetic, benzoic and salicylic acids acetyl salicylic acid.

9. Esters : Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Teflon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon, and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates. Gums and lipids, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

MATHEMATICS I :**Algebra**

Number Systems—Natural numbers. Integers. Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and Composite numbers. Multiples and factors. Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors. H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients. Division algorithm.

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutations and Combinations. Binomial Theorem for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve $y=a+bx+cx^2$ for given values of y at x_1 , x_0 and x_2 .

Simultaneous linear inequations (in two unknowns) and their graphs 2×2 Matrices and elementary operations. Identity matrix Inverse of a matrix Determinants of order not exceeding 3.

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulae supplied, if necessary).

Trigonometry

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angle between two lines. Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle General equation Equation of tangent and normal to a circle Radical axis of two circles Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola Equations of tangent and normals at a point on the curve

(Candidates will be allowed the use of 4-place logarithmic tables)

MATHEMATICS II**Calculus (Differential and Integral)**

Real functions through examples, their graphs Composite and inverse functions Algebra of real functions Example of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions

Derivative of a function at a point Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve

Derivatives of sum difference product and quotient of functions Derivatives of composite function and of inverse of 1—1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts

Mechanics (Vector methods would be permissible)

Statics Representation of a force, parallelogram of force Composition and resolution of forces. Like and unlike parallel forces Moments couples Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics: Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidates will be allowed the use of 4-place logarithmic tables).

Psychological Test. The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II

**REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATIONS
OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE
INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL
ENGINEERS**

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy cannot be declared fit by the medical examiners. However while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board

1 To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigations and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals, etc whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in the centimeters and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	JI	J II

NOTE : (1)

- Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D.
- Total Hypermetropia, (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.
- In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the results should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidates	16'	16'
2. Size of the aperture	1.3 mm	13 mm.
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness :

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

- Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- Squint. The presence of binocular vision is essential. Squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- One-eyed person.—One-eyed persons will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

7. Blood Pressure :

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure :

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably, at the patients side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required, they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporary unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks

after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—
 - (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
 - (ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
 - (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification.
 - (iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
 - (v) Persistently discharging ear-operated/unoperated. Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.
 - (vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.
 - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
 - (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit.
 - (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.
 - (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
 - (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
 - (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.
 - (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
 - (ii) Malignant tumours—Unfit.
 - (ix) Otosclerosis. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
 - (x) Congenital defects of ear, nose or throat.
 - (i) If not interfering with functions—Fit.
 - (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
 - (xi) Nasal Poly. Temporarily Unfit.
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he/she is not ruptured;
- (g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;

- (i) that he/she does not suffer from any inveterate skin disease.
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board and their report.

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension of payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when

a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

A. Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Notice below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....
.....
.....

2. State your age and birthplace

.....

3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

4. (a) Have you ever had smallpox, Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis ?

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

5. When were you last vaccinated ?

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption, scrofula, gout, asthma, fits, epilepsy, or insanity ?

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brother dead, their ages at and cause of death
.....

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
.....

9. Have you been examined by a Medical Board before ?

10. If answer to the above is yes, please state what Service/services you were examined for ?

11. Who was the examining authority ?

12. When and where was the Medical Board held ?

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....
Signed in my presence.....
Signature of Chairman of the Board

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

B. Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General Development Good.....
Fair Poor
Nutrition : Thin average
obese
Height (without shoes)
Weight Best Weight
When ? Any recent change
in weight ?
Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour Vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis
Distant vision	R. E. L. E.				
Near vision	R. E. L. E.				
Hypermetropia (Manifest)	R. E. L. E.				

4. ; Inspection.....Hearing.....
Right Ear.....Left Ear.....

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

.....
.....

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesions ?
Rate : Standing
After hopping 25 times

.....
2 minutes after hopping

Blood pressure;

Diastolic :

Systolic :

9. Abdomen Girth Tenderness
..... Hernia

(a) Palpable : Liver
Spleen Kidneys
Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco Motor System : Any Abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc. :

Urine Analysis :

(a) Physical appearance (b) Sp.

Gr. (c) Albumen

(d) Sugar (e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-ray examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

Note :—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date.....

Place.....

President.....

Member.....

APPENDIX III

CONDITIONS OF APPRENTICESHIP FOR SPECIAL CLASS APPRENTICES SELECTED THROUGH THIS EXAMINATION

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment manual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate selected for appointment as a Special Class Apprentice shall execute an agreement, binding himself and one surity jointly and severally to refund in the event of his failing to complete training to the satisfaction of the Central Government any money paid to him consequent on his appointment as Apprentice.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE.—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the Council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will, depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE.—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE.—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six semester Examinations of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineering, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six semester Examination he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV

PARTICULARS REGARDING THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

1 The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later.

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass parts I & II of AMIME (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE (i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2 During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training

and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period, they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case, the officers will not be confirmed till they pass the test, their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting, Estimating General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education Delhi, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5 Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any—

Provided that such a person

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationer;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6 Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers—

(a) will be eligible to pensionary benefits and

(b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund.

and applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7 Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph 3 above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300/-.

Senior scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600/-.

Junior Administrative Grade : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000/-.

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125/2—2,500, (ii) Rs. 2,500—125/2—2,750/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training, their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotions to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200

have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1.	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">a</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">b</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">c</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">d</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">e</div>
2.	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">a</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">b</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">c</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">d</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">e</div>
3.	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">a</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">b</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">c</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">d</div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">e</div>

Your answer sheet (specimen enclosed) will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

1. You bring and use only good quality **HB** pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll no. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are *not* allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop writing will be penalised. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall. Those who violate this direction shall be severely penalised.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to the Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury.

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

MINISTRY OF PLANNING

(DEPARTMENT OF STATISTICS)

New Delhi-110001, the 12th September 1978

No. M.13011/1/78-NSS.II.—In continuation of the Department of Statistics Notification No. M.13011/1/78-NSS.II., dated the 31st August 1978, Shri M. B. Nanjappa, Director, Bureau of Economics and Statistics, Government of Karnataka, is also appointed as Member of the Governing Council for governing the activities of the National Sample Survey Organisation for a period of two years from the 1st July, 1978 to the 30th June, 1980.

V. D. AHUJA, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 29th September 1978

No. U-13019/7/78-ANL.—President is pleased to cancel the Notification of Government of India in the Ministry of Home Affairs No. U-13019/7/78-ANL(I), dated the 9th August, 1978 published on page 726 of the Gazette of India dated September 2, 1978 (Bhadra 11, 1900)

UMA PILLAI, Dy. Secy

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

New Delhi, the 25th September 1978

No. 1/5/76-CTE.—It is notified for general information that Dr. H. V. K. Udupa, Director, Central Electro-Chemical Research Institute, Karaikudi, has been appointed as Chairman, Coordination Council, Chemical Sciences Group, for a period of two years with effect from 1-10-1978 in place of Dr. B. D. Tilak, Director, National Chemical Laboratory, Poona, who is due to retire on 30-9-1978. Consequently the name and designation of Dr. B. D. Tilak appearing under Serial No. 6(iii) of Notification No. 1/15/75-CTE and No. 1/5/76-CTE, dated 10-8-1977 published in Part I Section I of the Gazette of India be and is hereby replaced with that of Dr. H. V. K. Udupa, Director, Central Electro-Chemical Research Institute, Karaikudi, and that the words "(upto 30-9-1978)" occurring against the name of Dr. B. D. Tilak is hereby replaced with the words "(upto 30-9-1980)".

A. RAMACHANDRAN, Secy.

New Delhi-110029, the 25th September 1978

No. F.1(14)/76-SR-I(NRDC).—In pursuance of Article 89 of the Articles of Association of the National Research Development Corporation of India (a company registered under the Companies Act of 1956) and in continuation of this Department's Notification of even number dated the 4th October, 1976, the President is pleased to extend the appointment of Shri R. S. Bhatt as part-time Chairman on the Board of Directors of the Corporation for a period of two years with effect from 15th September, 1978 and upto 14th September, 1980.

K. V. SWAMINATHAN, Director

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(DEPARTMENT OF FAMILY WELFARE)

New Delhi, the 23rd September 1978

No. L.14011/2/78-AP.—In supersession of this Ministry's notification No. 5/9/71-AP, dated 29th January, 1973 and subsequent corrigenda issued thereto, relating to the constitution of an Indian Advisory Board to advise on policy and technical matters relating to the Child Care Project in Andhra Pradesh, it has been decided to reconstitute the Advisory Board, as indicated below :—

Chairman

1. Chief Secretary to the Government of Andhra Pradesh.

Members

2. Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Education Department.
3. Additional Secretary & Commissioner, Ministry of Health & F.W., Government of India or her nominee.
4. Secretary to Government of Andhra Pradesh, Medical and Health Department.
5. Secretary to Government of Andhra Pradesh, Municipal Administration, Department and Urban Development Department.
6. Secretary to Government of Andhra Pradesh, Labour, Employment and Technical Education Department.
7. Secretary to Government of Andhra Pradesh, Panchayati Raj Department.
8. Collector, Hyderabad.
9. Director, National Institute of Nutrition, Taranaka, Hyderabad.
10. President, Indian Council for Child Welfare, New Delhi.
11. Director of Medical and Health Services, Government of Andhra Pradesh.
12. Director (Research), Department of Social Welfare Government of India, New Delhi.
13. Smt. Premlatha Gupta, Chairman, Family Planning Association of India (Andhra Pradesh), Hyderabad.
14. Secretary, Indian Association of Pre-School Education, New Delhi.
15. Mrs. Wahabuddin Ahmed, Chairman, Bharat Grameena Mahila Sangh Hyderabad.
16. Smt. J. Kumidini Devi, Sivanandagruha, 77, Begumpet, Hyderabad.
17. Director, Woman & Child Welfare, Government of Andhra Pradesh.
18. Shri V. Rama Rao, Member, Vidhan Parishad (A.P.), 5, Special B Old M. L. Quarters, Hyderabad-500001.
19. Shri B. Lakshman, 8-3-1107, Keshav Nagar, Hyderabad-500073.
20. Director, Indo-Dutch Project, Hyderabad.

ORDER

ORDERED that a copy of the notification be communicated to the Government of Andhra Pradesh and that the notification may be published in the Gazette of India for information.

RAMESH BHADUR, Dy. Secy.

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi-1, the 26th September 1978

RESOLUTION

No. HS-11027/6/77-HL.—In continuation of this Ministry's Resolutions No. HS-11027/6/77-HL dated the 5th August, 1977 regarding constitution of a Wage Review Committee for non-officer employees of India Tourism Development Corporation and No. HS-11027/6/77-HL dated the 21st March, 1978 granting an extension of time to the Committee for submitting its recommendations the Government have decided to grant

to the Committee a further extension of time for a period of three months, upto the 4th November, 1978 to submit its recommendations to it.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

Ordered also that a copy of the Resolution be also communicated to all concerned.

C. B. JAIN, Director General (Tourism)
and ex-Officio Additional Secretary

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 26th September 1978

RESOLUTION

No. E.11011/25/73-Admn.I/Hindi.—In supersession of Ministry of Information and Broadcasting Resolution No. E.11011/25/73-Admn.I/Hindi, dated 24th June, 1975, the Govt. of India have decided to re-constitute the Soochana Aur Prasaran Hindi Samiti of the Ministry of Information and Broadcasting.

2. The Samiti will consist of :—

- | | |
|---|----------|
| 1. Minister of Information & Broadcasting | Chairman |
| 2. Shri Ram Kanwar Berwa,
M.P. (Lok Sabha) | Member |
| 3. Smt. Pratibha Singh,
M.P. (Rajya Sabha) | Member |
| 4.-5. Two other Member of Parliament
(to be nominated) | Member |
| 6. Shri Sachchidanand Vatsyayan 'Agyeya',
Editor, 'Navbharat Times',
7, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi. | Member |
| 7. Dr. Vidya Niwas Mishra,
Director,
K. M. Munshi Institute of Linguistics,
Agra University,
Agra-282004. | Member |
| 8. Shri Girija Kumar Mathur,
3, Pt. Pant Marg, New Delhi. | Member |
| 9. Shri Vishnu Kant Shastri,
M.L.A.,
West Bengal Legislative Assembly,
280 Chitranjan Avenue,
Calcutta-700006. | Member |
| 10. Dr. Moturi Satyanarayana,
(Chairman,
Kendriya Hindi Shikshan Mandal, Agra)
7, First Crescent Road,
Gandhi Nagar, Adyar,
Madras-600020. | Member |
| 11. Prof. G. Sundara Reddi,
Head of the Department of Hindi,
Andhra University,
Vidya Nagar,
Visakhapatnam-530003. | Member |
| 12. Smt. Mannu Bhandari,
29/17, Shakti Nagar,
Delhi-7. | Member |
| 13. Shri Kunwar Chandra Prakash Singh,
Braham Nagar Sitapur Road,
Lucknow-226007. | Member |
| 14. Dr. N. S. Dakshinamoorthy,
Professor,
Deptt. of P. G. Studies and Research
in Hindi,
University of Mysore, Manasa Gangotri,
Mysore-6. | Member |
| 15. Shri Ram Lal Parikh,
Secretary,
Akhil Bhartiya Hindi Sanstha Sangh,
75, Jawaharlal Nehru Marg,
New Delhi-110002. | Member |

16. Shri Shankar Rao Laudhe, Secretary, Rashtra Bhasha Prachar Samiti, Vaidha.	Member	Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, Comptroller and Auditor General, Accountant General, Central Revenue and Controller General of Accounts.
17. Shri Kirhan Patnaik, C-37, Peoples Co-operative Colony, Lohiya Nagar, Patna-800020.	Member	Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.
18. Shri K. L. Pandey, Editor, 'Daily Pratap', 5, Bhadrachalan Jafar Marg, New Delhi-110002.	Member	A. U. SARMA, J. Secy. MINISTRY OF LABOUR New Delhi, the 28th September 1978
19. Smt. Uma Rao, 15, Tagore Town, Allahabad.	Member	RESOLUTION
20. Secretary, Department of Official Language and Hindi Advisor to the Govt. of India.	Member	No. M-14011(4)/78-AI.—Government have been considering, for some time past, the question of setting up a permanent advisory machinery, in the Ministry of Labour, comprising representatives from workers and employers' organisations; Central Ministries and Departments and the State Governments, Institutions/Organisations and individuals/social workers engaged in, and associated with, the welfare of agricultural workers in the country, to advise them on the various administrative and legislative measures for bettering the socio-economic conditions of the rural unorganised labour and for promoting their organisations. The matter was also discussed in the Special Conference on Rural Unorganised labour held in New Delhi on 25th January, 1978, which suggested the setting-up of such a permanent consultative machinery at the Centre. The Government have accordingly decided to set up a Central Standing Committee on Rural Unorganised Labour to advise them on matters relating to improving the living and working conditions of rural unorganised labour and promoting their organisation.
21. Secretary, Ministry of Information & Broadcasting.	Member	
22. Director General, All India Radio.	Member	
23. Director General, Doordarshan	Member	
24. Director of News Services, All India Radio	Member	
25. Principal Information Officer, Press Information Bureau	Member	
26. Joint Secretary, Department of Official Language	Member	
27. Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology.	Member	
28. Joint Secretary connected with Hindi Work, Ministry of Information and Broadcasting.	Member-Secretary	

3. FUNCTIONS :

The functions of the Samiti will be to render advice in regard to progressive use of Hindi for official purposes in the Ministry of Information and Broadcasting and its Media Units in accordance with the policies laid down by the Kendriya Hindi Samiti and the Department of Official Language (Ministry of Home Affairs) on the subject.

4. **TENURE** : The tenure of members of the Samiti will ordinarily be three years from the date of re-constitution of the Samiti, provided that :—

- Members of Parliament, who are members of the Samiti, shall cease to be members of the Samiti as soon as they cease to be Members of Parliament;
- The ex-officio members of the Samiti shall continue as members so long as they hold office by virtue of which they are members of the Samiti; and
- If a vacancy arises on the Samiti due to resignation or death of a member, the member appointed in that vacancy shall hold office for the residual period of the tenure of three years.

5. GENERAL :

- The Samiti may appoint sub-committees, coopt additional members and also invite experts to attend its meetings as may be necessary for assisting it in the discharge of its functions.
- The Headquarters of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other place also.
- Non-official members of the Samiti will be paid travelling allowance & daily allowance for attending the meetings of the Samiti and its sub-committees at the rates prescribed by the Govt. of India from time to time and as admissible under rules.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territories Administrations, all Ministries and Departments of the Government of India, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Deptt. of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Sectt.,

2. The Standing Committee will have the following composition :

Chairman :

Union Minister for Parliamentary Affairs and Labour.

Vice-Chairman :

Minister of State in the Ministry of Labour and Parliamentary Affairs.

Members :

- Mrs. Aruna Roy,
Social & Research Centre,
Tilonia,
Ajmer.
- Shri Baburao Bheid,
c/o Shri Vijaya Munje, Dhantoli,
Nagpur
- Smt. Banarsi Devi Gupta,
Village & P.O. Saraiya,
District Bhojpur,
Arrah,
Bihar.
- Shri B. N. Raj Hans.
Nagindas Chambers, 2nd floor,
167, PD' Mello Road,
Bombay,
- Dr. B. Ramamurti,
43, Bharati Nagar,
New Delhi.
- Shri Chitta Basu, M.P.,
123, North Avenue,
New Delhi.
- Shri Harikishan Singh Surjeet, M.P.
20, Janpath,
New Delhi.
- Shri K. S. Raghupathi,
AB-7, Pandara Road,
New Delhi.
- Shri M. V. Rajasekharan,
Asian Institute of Rural Development,
19, Kanakpura Road,
Basavanagudi,
Bangalore.
- Shri Ramapati Singh, M. P.,
14, Windsor Place,
New Delhi.

Members :

11. Shri S. Jagannathan,
Sarvodaya Mandal,
Madurai,
Tamil Nadu.
12. Shri Sundarlal Bahuguna,
Parvatiya Navjivan Mandal,
Silyara,
Tehri Garhwal,
Uttar Pradesh.
13. Shri Surendra Mohan, M. P.,
15, Teen Murti Lane,
New Delhi.
14. Prof. T. K. N. Unnithan,
Head of the Department of Sociology,
University of Jaipur,
Jaipur.

One Member each from :

15. All India Trade Union Congress,
24, Canning Lane,
New Delhi.
16. A. N. Sinha Institute,
Patna.
17. Bharatiya Mazdoor Sangh,
23-24, Vithalbhaji Patel House,
New Delhi.
18. Bharat Krishak Samaj,
1A, Nizamuddin West,
New Delhi.
19. Centre for Development Studies,
Trivandrum.
20. Centre for Indian Trade Unions,
172, Lenin Sarani,
Calcutta-13.
21. Centre for Studies of Social Sciences,
Calcutta.
22. Confederation of Agricultural Relief Association,
18/5, W. E. A. Karol Bagh,
New Delhi.
23. Hind Mazdoor Sabha,
Nagindas Chambers, 2nd floor,
167, P. D' Mello Road,
Bombay.
24. Hind Mazdoor Panchayat,
204, Raja Ram Mohan Roy Road,
Girgaum,
Bombay.
25. Indian National Trade Union Congress,
1B, Maulana Azad Road,
New Delhi.
26. National Labour Organisation,
Gandhi Majoor Sevalaya,
Bhadra,
Ahmedabad.
27. Young Farmers Association,
North End Complex,
R. K. Mission Ashram Road,
New Delhi.
28. Department of Agriculture,
Ministry of Agriculture & Irrigation,
New Delhi.
29. Department of Rural Development,
Ministry of Agriculture & Irrigation,
New Delhi.
30. Planning Commission,
New Delhi.
31. Ministry of Home Affairs,
New Delhi.
32. Government of Andhra Pradesh.
33. Government of Bihar.
34. Government of Gujarat.
35. Government of Kerala.
36. Government of Madhya Pradesh.
37. Government of Maharashtra.
38. Government of Punjab.

Members :

39. Government of Tamil Nadu.
40. Government of Uttar Pradesh.
41. Government of West Bengal.

Member Secretary :

42. Shri P. S. Habeeb Mohamed,
Joint Secretary,
Ministry of Labour,
New Delhi.

Terms of Reference :

3. The Committee would advise Government on the various administrative and legislative measures to better the socio-economic conditions of the rural unorganised labour (the definition of 'Rural Unorganised Labour' being the same as for "Rural Worker" in the I.L.O. Convention No. 141) and for promoting their organisation, and in particular, on matters relating to :

- (i) The proposed Central Legislation for safeguarding the interests of rural workers, particularly the agricultural workers, with regard to security of employment, working hours, payment of wages, social security schemes, safety in mechanisation, dispute settlement machinery etc;
- (ii) Amendments and additions to the existing labour laws, as and when necessary including the social security legislation, in order to extend their provisions to the rural workers and for their stricter enforcement;
- (iii) Steps, administrative and legislative, that may be taken to create conditions for the proper growth of the rural workers' organisations;
- (iv) Ways and means of removing unemployment and under-employment in rural areas through employment generation schemes;
- (v) Reorientation of the programmes of the CBWE/NLI for speeding up the process of education and organisation of rural workers;
- (vi) Abolition of the contract labour system in projects undertaken in jungles and remote areas and to encourage cooperatives of forest workers which could provide food and employment to the local people;
- (vii) Extension of socio-economic gains of development, such as health care, family welfare, education, housing drinking water, roads, institutional credit, agricultural and consumer cooperatives network, free legal aid, for the rural poor;
- (viii) Forging a link with the Standing Committees set up at the State Level;
- (ix) Review and monitoring from time to time of the progress made in the processing and implementation by the Centre and the States, of the suggestions made by it and the State Level Committees; and
- (x) Any other issue concerning the problems of rural workers on which the Government may seek the advice of the Committee;

4. The Headquarters of the Committee will be New Delhi, and it would be provided Secretariat assistance by the Ministry of Labour in the Rural Workers' Cell.

5. The Committee will devise its own procedures. It may call for such information and take such evidence as it may consider necessary. The Ministries/Departments of the Government of India will furnish such information, material and documents, and render all such assistance as may be required by the Committee.

6. The Government of India trust that the State Governments/Union Territory Administration, public undertakings and Corporate bodies, organisations of employers and workers and all other concerned organisations, associations and institutions will extend to the Committee their co-operation.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India, State Government/Union Territory Administrations and others concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

H. PAIS, Jt. Secy.